रोमियों

1 पौलुस केर ओर ते जउन यीसु मसीह केर सेवक
है उहिका चेला बनावइ केर बुलावा गवा है,
अउर परमेसुर केर उइ सुभ संदेसु बतावै केर खातिर
वहिका अलग कीन गवा हइ। 2जेहिका वह पहिलेहेन
ते अपन नबियन ते पवित्तर धरम केर किताब मा
3अपन बेटवा हमार परभु यीसु मसीह केर बारे मां ई
कसम किहिस रहै। जउन देहि केर दिरिस्टी ते दाऊद
केर कुल ते जनमा। 4अउर पवित्तरता कि विचार ते
आतमा केर भाव ते उहै मुये हुअन मा ते फिर ते जी
उठइ केर खातिर सामरथ केर साथइ परमेसुर क
बेटवा ठहिरा हइ। 5जेहिते हम सबइ का दया अउर
अनुगरह परेरिताई मिली, कि उइ केर नाम केर कारन
सबै जातिन केर मनई बिसवासु करि कइ अउर
वहकी बातन को मानें। 6जिनमें ते तुमहूं यीसु मसीह
केर होय केर खातिर बुलाय गये हउ।

7उइ सबै केर नाम जउन रोम मा परमेसुर केर
पियारे हैं अउर पवित्तर होवन केर खातिर बुलाइ गये
हइं। हमार बाप परमेसुर अउर परभु यीसु मसीह केर
ओर ते तुमका अनुगरहउ अउर सान्ती मिलत रहइ।

पौलुस केर रोम जातरा

8पहिल हम तुम सबन केर खातिर यीसु मसीह
केर मारफत अपन परमेसुर का धन्यवाद करित हइ
कि तोहरे बिसवासु की चरचा ते सारे जगत मा होइ
रहा हइ। 9परमेसुर जेहिकी सेवा मा अपन आतमा ते
वहिके बेटवा केर सुभ सँदेस केर बारे में बातें करित
है, उइ हमार गवाहु हैं, कि हमइ तुहिका केहि परकार
बराबर यादु करत रहत हउं। 10अउर हमेसा
अपन पराथना मां विनती करित हन। कउनउ रीति ते
अब तोहरे पासै आवै क हमार जातरा परमेसुर केर
इच्छा ते सुफल होय।

11काहे ते हम तुम्ह ते मिलइ की लालसा करित
हउ कि हम तुम्हन का कउनेउ आतमिक वरदान देउ
जेहि ते तुइ स्थिर होइ जाव। 12अरथात यह कि यह
तोहरे बीच म तोहरे साथै उस बिसवासु केर जरिए
जउन मोहिमा अउर तुम मा हइ, सानती पाई। 13हे
भइयउ हम नाहीं चाहत हैं कि तुम एहिते अनजानु
रहौ, कि हम बेर–बेर तोहार पासै आवइ चाहीं, कि
जस मोहिका दुसरे जातन मानइ वालेन केर फलु
मिलत, वसइ तुममौ केर मिलइ मुला अब तलक
रुका रहा।

14हम यूनानियन अउर दूसरि भासाएं वालेन का
अउर बुद्धिमानन अउर निर बुद्धिमानन केर करजदार
हउं। 15यहिते हम तुमहु क जउन रोम मा रहति हउ
सुभ संदेस सुनावै क खातिर भरसकु तैयार हन।

16काहे कि सुभ संदेस ते नाही लजाइत, यहितें
कि उइ हर एकु केर बिसवासु करै वालेन केर पहिल
तौ यहूदिन, फिर युनानिन केर उद्धार केर खातिर
परमेसुर मा सामरथ है। 17काहे ते उइमा परमेसुर की
धरमिकता बिसवासु ते अउर बिसवासु केर खातिर
परगट होत है। जस लिखउ हइ केर बिसवासुन ते
धरम केर मनई जियत रहि हइं।

परमेसुर केर मनइन क गुस्सा

18परमेसुर केर किरोध तौ उन लोगन की सब
अभगतई अउर अधरमन पर सरग ते परगट होत हइ।
जउन सत केर अधम ते दबाइ राखत हइ। 19ई कारन
कि परमेसुर का बारे मां ज्ञान उन क मनन मां परगट
है। काहे ते कि परमेसुर उन पै परगट कीन्ह हइं।
20काहे ते उइ केर अनदेखइ गुन धरती की सिरस्टी
केर समय ते उइ केर कामन ते देखन मां आवति हइं।
हियाँ तक कि उइ केर पासे कउनउ जवाब नाई हइ
उइ निरुत्तर है।

21ई कारन क परमेसुर केर जानतिउ पे उइ परमेसुर
क बराबर उन लोगन की जोग बड़ाई अउर धन्यवाद
नाई कीन मगर बेकारै विचारू करइ लाग। इहां तक
कि उइ का निरबुद्धीमनु अन्धेरु होइगा। 22उइ अपन
आप केर बुद्धिमान जताइ केर मूरख बनि गये।

23अउर अविनासी परमेसुर कि महिमा का नासमान
मनई अउर पच्छिन अउर चौपायन अउर रेंगन वालेइ
जन्तुन केर मूरत केर समानइ बदलि डारिन।
24ई कारन परमेसुर उइका उइ केर मन कि
अभिलासन असुद्धता कि खातिर छाड़ि दीन हों, कि
उइ आपसइ मा अपन सरीरन क अनादर करै। 25इहि
कारन उइ सब केर परमेसुर की सचाई बातन क
बदलि कै झूठ बनाइ डारिन। अउर उइ सिरस्टी कि
पूजा अउर सेवा कीन न कि उइ सिरजनहार की जउन
सदा धन्य हई। आमीन।
26एहिते परमेसुर उइ का नीच कामन केर बस मां
छांड़ि दिहिस। हियां तक कि उइ कि मेहरारूनों,
अपन सुझाव केर व्योहार क जउन उइ केर सुझाव ते
उल्टइ हइ, बदल डारेन। 27वइसइ मनइव मेहरारून
केर साथ अपन बेवहारु छांड़ि कइ आपस म काम
केर बस होइ कइ जलय लाग। अउर मनई मनइन
केर साथ निरलज काम करि केर अपन भरम क
ठीकइ फलु पाइन।
28अउर जब उइ परमेसुर केर पहचानइन चाहिन।
यहिते परमेसुरो उनहुन क उइके निकम्मइ मन पै छोरि
दिहिन। कि उइ अनुचितै काम करै। 29एहि ते उइ
सबइ परकार केर अधरम अउर दुस्टताई अउर लोभु
अउर बैरू भाउ ते भरि गये। उइ डाह सगरन अउर
छल इरसा ते भरपुर होइगे। 30अउर चुगल खोरन
बदनाम करइ वालेन परमेसुर क देखन मा
घिरिनित अउरन केर अनादर करइ वाले, अभिमानी,
डींग मारइ वाले, अउर बुरी–बुरी बातन केर बनावइ
वाले बाप की महतारी की आग्या न मानइ वाले।
31निरबुद्धि बिसवासु घाती मयाते रहित अउर निरदई
होइगे। 32उइ तो परमेसुर कि ई विधि जानति हइ कि
अस काम करै वाले मनई क दन्ड केर जोग हई।
तबहू न उइ अइसइ काम करति है बलकि जउन
खुदउ काम करत हइ, अउर करइ वालेन पे परसन्न
ऊ होति हई।

परमेसुर केर नियायु

2एहिते ऐ दोसु लगावइ वाले तू कउनउ काहे न
होय तोहरे पास कउनउ जवाबु नाई हैं। काहे ते
जेहि बात म तू दूसरेन पर दोसु लगाति है। उइ बात
अपन आपे क दोसी ठहरावति है काहे ते तू जउन
दोसु लगावति है खुदइ वहइ काम करति हइ। 2वही
बात तू खुद न करत है अउर हम जानति है अइस
काम करै वालेन पै परमेसुर कि ओर ते ठीकइ ठीकइ
दन्ड की आग्या होति हइ। 3अउर हे मनई, तू जउन
अइस कामु करै वालेन प दोसु लगावति है, अउर
खुदै उइ कामु करति है, ई का समझति है। 4कि तू
परमेसुर केर दन्ड की आग्या ते बचि जाइ। का तू
वहिकी किरपा अउर सहनसीलता अउर धीरज रूपी
धन का तुच्छ जानति है, कि ई नाई समुझति कि
परमेसुर कि किरपा तोहिका पाप ते मन फेरब क
सिखावति है?
5पर तू अपन कठोरता अउर हठीले मन केर
माफिक परमेसुर उइ केर विरोध केर दिनु केर न लिए,
जेहिका परमेसुर क सच्चा नियाउ परगट होई। तू
अपन कारन किरोध कमाई रहा हइ। 6परमेसुर हर
एक केर उइके कामन केर माफिक वहिका कामन का
बदला दई। जउन सुकरमु स्थिर रहि केर महिमा,
अउर आदरु अउर अमरता कि खोज मा है। 7उइका
ऊ असीमु जीवनु देई। पर जउन विवादी हइ अउर
जउन सत का नाई मानत हइ। 8वहि क अधरम
मानत है उइ पे परमेसुर किरोधु अउर कोपु परि हइ
हर एक मनई पर जौनु बुरे काम है करत है। 9अउर
कलेसु व संकटु केर हुए एकु मनई केर परानन पर
जउन बुरा करति हइ आई पहिले यहूदिन फिर यूनानिन
क पेसा हइ। 10महिमा आदरु अउर कलयानु हर
एकेर केर मिली जउन भला करति हइ पहले यहूदिन
केर फिर यूनानिन का। 11काहे ते परमेसुर कउनउ केर
पच्छ नाई करत है।
12यहिते कि जउनउ बिना बेवस्था केर पापु किहिन
उइ बिना बेवस्था केर नासौ होइ हंइ। अउर जउन
बेवस्था पाइके पाप किहिस उइका दन्डु बेवस्था केर
माफिक होई। 13काहे ते परमेसुर केर हियां बेवस्था क
सुनई वाले धरमी नाहि बेवस्था प चलइ वाले धरमी
ठहराये जइहैं। 14फिर जबइ दूसर धरम मानइ वाले
लोगन जेहिके तीन बेवस्था नाहीं सुभावे तबइ बेवस्था
उइ केर पास न होई। उई अपन आपइ बेवस्था हुई।
15उइ बेवस्था कि बातन अपन–अपन हिरदय म
लिखि भई दिखाव लिहइ उइके विवेकउ गवाही देत
हई। अउर उइकी चिन्ता आप तई मा दोसु लगावति
या उइके निरदोसु ठहरावति हयं। 16ई जेहि दिनु
परमेसुर हमार सुभ सन्देस केर माफिक यीसु मसीह
केर हाथन मनइन कि गुपुत बातन केर नियाउ करिहैं।

यहुदिनन अउर नियमु

17अउर तुइ यहूदी कहलावत हइ अउर बेवस्था
पर भरोसा राखति हइ, अउर परमेसुर केर बारे मां
घमंड करति हयं। 18अउर उइ वहिकी इच्छा जानति
हइ अउर बेवस्था कि सिच्छा पाइ कइ उत्तमु–उत्तमु

बातन क प्रिय जानति हयं। 19अउर अपन प भरोसा राखति हइ कि हम अन्धन क अगुआ अउर अंधकारु मा परे हुवन कि जोती। 20अउर बद्धिहीनन केर सिखावइ वाले अउर बालकन केर उपदेसकु हउ, अउर ग्यानु अउर सच केर नमूना जउन बेवस्था म हइ मोहिका मिला है। 21यहिते का तू जउन औरन क सिखावति हइ अपन आपै नाहीं सिखवति हइ। 22तू जउन कहति हइ विभचारु न करेव का तुहि ऊ बेभिचारु करति हइ, का तुइ जउन मूरतिन ते घिरना करत हइ, का तुहि ऊ मंदिरन लूटति हइ। 23तुइ जउन बेवस्था का बारे मां घमंड करत है, का तू खुदै बेवस्था न मानि कइ परमेसुर का आनादर करत है। 24काहे ते तोहरे कारन दुसरेइ धरमन केर मानइ वालेन म परमेसुर केर नाम कि निंदा कीन जाति हइ, जइस लिखउ हइ।

25यदि तुइ बेवस्था पे चलइ तउ खतने त लाभु तउ है। मगर तुइ बेवस्था क न मानइ। तउ तेर खतरा बिनु खतना की दसइ ठहरइ। 26मुला जदि बिनु खतना केर मनई बेवस्था की विधि क मानइ केर तउ बिनु खतना कि दसा मनई ठहरत, तउ का उहिकी बिनु खतना की दसा खतने केर बराबर न मानी जाई। 27अउर जउन मनई धरम केर कारन बिनु खतनइ रहा, अगर उइ बेवस्था केर पूरा करे तउ वोहिका जउन लेख पावइ अउर खतना किएइ जाई पहूं बेवस्था केर नाई मानत करत हइ, दोसी न ठहरहइं।

28काहे ते उइ यहूदी नाहीं जउन परगट मा यहूदी हैं अउर न उइ खतना हइ, जउन परगट मा हैं अउर देह मा हइ। 29पइ यहूदी वहइ हइ जउन मन मा हइ जउन खतना नाई हइ, जउन हिरदय केर अउर आतमा मा हइ। न कि लेखु का ऐसन की बड़ाई मनइन कि ओर ते नाई, मगर परमेसुर कि ओर ते होति हइ।

परमेसुर केर बिसवासु

3 वहु यहुदिन कि का बड़ाई या खतने केर लाभु? 2हर परकार ते बहुत कछु पहिले तउ यहु कि परमेसुर केर वचन उइ केर सउपे गये।

3यहि कितनेउ बिसवासुघाती निकरै तउ का भवां का उइ केर बिसवासु घाती होवे ते वे परमेसुर की सचाई बेयरथ ठहरि हइ। 4कबहूं नहीं बल्कि परमेसुर सच्चा अउर हर एकु मनई झूठइ ठहरी। जइस लिखउ हइ।

5कि जेहिते तू अपन बातन म धरमी ठहरइ अउर जइस किहइ नियाउ करत समय तू जाय पावेइ। अगर हमार अधरम परमेसुर केर धारमिकता ठहराइ देति है तउ हमका कहिबे? का ई कि परमेसुर जउन किरोध करत है अनियायी है? 6तउ हम कबहूं नाहि तउ परमेसुर कइसे जगत क नियाउ करिहइ? 7यदि हमार झूठ केर कारन परमेसुर की सचाई उइकी महिमा केर खातिर अधिक करि कइ परगट भई तउ फिर काहे पापिन कि नाइ हम दंड केर जोग ठहिरावा जाइत है। 8हम काहे बुराई न करी कि भलाई निकरै? जब हम पै ई दोसु लगावइ जात हइ अउर कितनेउ कहति है कि इनहुन केर यहइ कहतु हइ। मुला ऐसन का दोसी हरावउ ठीक हइ।

कउनउ बिसवासु नाहिन

9तौ फिर का भवा? का हम उइते अच्छे हुइ कबहूं नाई। काहे ते हम यहूदी अउर यूनानिन दुनौ प ई दोसु लगाइ चुकेइ हउ कि उइ सबइ पाप कहित हइ केर बस मा है। 10जइसन लिखउ हइ कि कउनउ मनई धरमी नाई, एकौ नाई। 11कउनउ समझदारु नाई, कउनउ परमेसुर क खोजइ वाल नाई। 12सबै भटक गयेइ हंइ सबके सबै निकम्मे बनि गये हैं। 13कउनउ भलाई करइ वाला नाई हइ। एकउ नाहीं। पर उइ का गलउ खुली भई कबर हइ, उइ अपन जीभी ते छल किहिन है। उइके ओढ़न मा सांपन केरू बिसु है। 14अउर उइ का मुंह सराप अउर करुवाहट ते भरइ है। 15उइके पांव लोहू बहावइ केर फुरतीले हैं 16उइ केर मारगन मा नासु अउर कलेसु हइ। 17उइ कुसल क मारग नाई जानिन। 18उनकी आंखिन केर समुहे परमेसुर केर भय नाहीं। 19हम ई जानित है कि बेवस्था जउन कछु कहति है उनहीं ते कहति है। जउन बेवस्था केर अधीन है। इहिते हर एक केर मुंह बंद कीन जाय। अउर सारा संसार परमेसुर केर दन्ड केर योग ठहरइ। 20कहि ते बेवस्था केर समुहे धरमी नाई ठहरी इहिते कि बेवस्था केर जरिये पाप की पहिचानु होति हइ।

बिसवासु दुवारा धारमिकता

21पर अब विनई बेवस्था परमेसुर कि उइ धारमिकता परगट भई है जेहिकी गवाही बेवस्था अउर नबी देत है। 22मानो की परमेसुर की उहै धरमिकता जउन मसीह पर बिसवासु करइ ते सबै बिसवासु करे वालेन केर खातिर हइ उह कछु भेदु नाई। 23इहि कारन कि सबै पापु किहिन हइ अउर परमेसुर कि महिमा ते रहित है। 24मुला उइ केर किरपा ते उइ छुटकारेन केर खातिर जउन मसीह यीसु मां है ते तइ धरमी ठहराये जात है। 25उहिका परमेसुर उइके लोहू केर कारन एकु अइस परासचित ठहिरा गये जउन

बिसवासु करइ ते काजकारी होत है कि जउन पाप पहिले किये गये। 26अउर जेहिकी परमेसुर अपन सहनसकती ते आना कानी किहिन उइके बारे मां उइ आपन धरमिकता परगट करइ। बल्कि यहि एकरे कारन किहिस है कि यही समय उइ की धरमिकता परगट होय कि जेहिते उइ खुदै आपनि धरमी ठहरइ, अउर जउन मनई यीसु पर बिसवासु करै उइ धरमी ठहरावै वाल होय।

27तउ घमंडु करब कहां रहा? उइ तौ जगहै नाई। 28कउनउ बेवस्था केर कारन ते? का करमन की बेवस्था? नाई बल्कि बिसवासु की बेवस्था केर कारन। यहिते हम ई परिनाम प पहुंचति हइ, कि मनई बेवस्था केर कारन केर बिना बिसवासु केर दुवारइ धरमी ठहरति हइ। 29का परमेसुर केवल यहु दिनन का है का दूसरे धरम मानइ वालेन का नाई? हां दूसरे धरम मानेन वालेन क है। 30काहे ते परमेसुर एकइ हइ, जउन खतना वालेन क बिसवासु ते अउर खतना रहितौ क बिसवासु केर दुआरा धरमी ठहराई। 31तौ का हम बेवस्था केर बिसवासु केर दुवारा वेयरथ ठहराइत हइ। कबहूं नाइ, बल्कि बेवस्था क स्थिर करित हइ।

बिसवासु दुआरा अबराम जानि गवा

4सोइ हमका कही कि हमार सरीरौ क ई बाप अबराम का मिला। 2काहे ते अगर अबराम कामन ते धरमी ठहरा केर जात है तउ उहिका घमंडु करइ की जगह होते। मुला परमेसुर केर पास नाहीं। 3पवित्तर सास्त्र का ई कहति है कि अबराम परमेसुर प बिसवासु किहिसि अउर ऊ उइके खातिर धारमिकता गिनी गइ।

4काम करै वालेन केर मजदूरी दैब, दानु नाहीं, मुला हम समझा जाति हैं 5मगर जउन नाहीं करति वरन् भगती ते हीन क धरमी ठहरावै वालेन प बिसवासु करति हइ, उइका बिसवासु उइके खातिर धारमिकता गिना जात हइ। 6जेहिका परमेसुर बिनु कामन धरमी ठहरावत है उइका दाऊदो धन्य कहत है।

7कि धन्य उइ है जेहि केर अधरम माफु भए। अउर जेहिके पापु ढांपि दीन गये।

8धन्य है उइ मनई जेहिका परमेसुर पापी न ठहरावै।

9तउ उइ धन्य कबहु कि खतना वालेनइ केर लिये उइ है या हम ई कहत है कि अबराम केर लिये उइका बिसवासु धारमिकता गिना गवा? 10खतने की दसा मां नाई, मगर बिनु खतना कि दसा मां। 11अउर उइ खतने क चीन्हु पाइसि, कि उइ बिसवासु की धारमिकता प छापु होइ जाय, जउन उइने बिना खतने की दसा म रखिस रहइ जेहिते ऊ उन सबन क बाप ठहरे जउन बिना खतने की दसा में बिसवासु करति हइ अउर कि उइ ऊ धरमी ठहराइ। 12अउर उइ खतना किये हुअन क बाप होई जउन सिरफ खतना किए गए हैं। अउर हमार बाप अबराम केर उइ बिसवासु केर लीक प चलत है जउन उइ विन खतना कि दसा मां किहिस रहै।

13काहे ते ई परतिग्या कि उहु जगत क वारिस होई न अबराम क न बंस क बेवस्था क दुआरा दीन गई रहइ। परन्तु बिसवासु कि धरमिकता केर दुआरा मिली रहै। 14यदि काहे ते बेवस्था वाले वारिस है तउ बिसवासु अउर परतिग्या निसफल भई। 15बेवस्था कुरोध उपजावत है, अउर जहां बेवस्था नाई है हुवां उइका टालबउ नाहीं।

16इहि कारन ऊ बिसवासु केर दुआरा मिलति हइ कि अनुगरहु की रीति प हाय कि परतिग्या सबै केर लिए दिरिढ़ होय, ना कि केवल उनहीं केर लिए जउन बेवस्था वालेन है। वरन् उनहुन क लीन्हें जउन अबराम केर बरोबर बिसवासु वालेन हयं। वहै हम सब का बाप है। 17जइस लिखउ हइ कि मई तुमका हम अनेक धरम मानेइ वालेन क बाप ठहराइन हइं। उइ परमेसुर केर समुहे जेहि पर उइ बिसवासु किहिस अउर जउन मरे हुअन क जियावति हइ, अउर जउन बातइ हइं नाई, उइका नाव ऐस लेत हउ कि मानउ उइ हन।

18अबराम उइ निरासउ मां आस राखि कइ बिसवासु किहिसि जेहिते, उइ बचनु केर मुताबिक कि तोहार बंस ऐसन होई, उइ अनेकन जातिन केर बाप होई। 19अउर उइ जउन अबराम अउरन एक सौ बरिस केर रहै तबउ अपन मरे हुएन ते सरीरु अउर सारा केर गरभ मारी भई जस ई दसा जानि केइ ऊ बिसवासु मं निरबल नाई भवा। 20अबराम अउरन बिसवास हुइ केर परमेसुर क परतिग्या प सन्देसु नाई किहिस पर उइके बिसवासु मां दिरिढ़ होई केर परमेसुर केर महिमा किहिस। 21अबराम अउर निसचय जानिउ कि जउन बातु कि उइ परतिग्या किहिसि उइ वहु क पूरी करउ का सामरथ है। 22एहिते ई बिसवासु ते अबराम वहिके लीन्हें धारमिकता गिना भवा। 23उइ ई बचनु क बिसवासु उइ की खातिर लिखा गवा। 24ना कि हमारे खातिरऊ जउन कि खातिर हमार बिसवासु धारमिकता गिना जाई या ते हमरी खातिर जउन परमेसुर पर बिसवासु करति है जउन हमरे परभु यीसु

मसीह कइ मरे हुवय मां ते जियाइन। [25]ऊ यीसु मसीह हमार अपराधन केर खातिर पकरवावा गवा। अउर धरमी ठहरइ कि खातिर जियावउ गवा।

सान्ति अउर खुसी

5 यहिते जबइ हम बिसवासु ते धरमी ठहरे हैं तउ अपन परभु यीसु मसीह केर जरिए परमेसुर केर साथ मेल राखी। [2]जेहिके खातिर मसीह बिसवासु केर कारन उइ किरपा तलक जेहिते हम बने हन। हमारि पहुचेउ भई, अउर परमेसुर की महिमा कि आस पइ घमंडु करइ। [3]खाली यही नाइ मुला हम कलेसउ म घमंड करि हइ जानि केर कि कलेसन ते धीरजु। [4]अउर धीरज ते खरौ निकसत। अउर खरा निकसइ ते आस जनमति हय। [5]अउर आसा ते लज्जा नाहीं आवतु काहे ते जउन पवित्तर आतमा जउन हमइ दीन गई हय वहिके जरिये परमेसुर क पिरेम हमार मन मां डारा गवा हय।

[6]काहे ते जबइ तक हम निरबलइ रहैं तबै मसीह ठीक समय प भगती हीननि केर खातिर मरि गवा। [7]कउनउ धरमी मनई कि खातिर ई तौ दुरलभु हइ मुला का जानि कउनउ भले मनई की खातिर कउनउ मरइ क हिम्मत करइ। [8]परमेसुर हम प अपन पिरेम की भलाई ई रीति ते परगट करत हइ। कि जबहि हम पापिन रहन तबहीं मसीह हमार खातिर मरि गवा।

[9]जबइ कि हम अब उइ केर लोहू केर कारन धरमी ठहरे। जउ वहिके जरिये परमेसुर केर किरोध ते काहे न बचिवई। [10]काहे ते परमेसुर क बैरी होवै कि दसा म तउ वहिके बेटवा कि मरनू केर जरिये हमार मेल परमेसुर केर साथइ भवा रहा। फिर मेरि जाई ऊ केर जीवन केर कारन हम उधारु काहे न पाइ बइ। [11]अउर केवल यही नाई पर हम अपन परभु यीसु मसीह केर जरिए जउन केर जरिए हमार मेलु भवा है परमेुर केर बारे म घमन्डु करत हइ।

आदम दुआरा मिरतु अउर यीसु दुआरा जीवन

[12]यहिते जइसन एकु मनइ केर जरिए पाप जगत म आवा अउर पाप केर जरिए मिरतू आई अउर यीह रीति ते मिरतू सबन मनईन मां फैरि गय यहि ते कि सबै पाप किहिन। [13]काहे ते बेवस्था की दीन्हें जाय तलक पाप जगत म तउ रहै, पर जउन जगह प बेवस्था नाई उहां पाप गिना नाहीं जात। [14]फिरु इहि तरह आदम ते लइ केर मूसा तलक मिरतू उइ लोगन प राज किहिस, जउन उइ आदम केर अपराधु केर नाई जउन उइ आवै वालेनक चिन्हारि हइ पाप न किहिस।

[15]पर जस, अपराध केर दसा हय वइसेन किरपा केर बरदानु केर नाहीं काहे ते जब एक मनई केर अपराध ते बहुते लोगन मरइ, तउ परमेसुर केर अनुगिरहु अउर तुहिका जउन दानु एक मनई केर यानी यीसु मसीह केर किरपा ते भवा बहुत लोगन प अवसय अधिकाई ते भवा। मुला अधिकाई ते भवा। [16]अउर जइसइ एकु मनई केर पाप करइ केर फलु भवा वैसइ दान की दासा नाई काहे ते एकहि कारन दन्ड की आग्या क फैसला भवा परन्तु बहुतइ अपराधन ते ए इस बरदान पैदा भवा कि लोगन धरमी ठहरे। [17]काहे ते जब एक मनई केर अपराधु केर कारन मिरतू तउ उइ एकइ केर जरिये राज किहिस। जउन लोगन किरपा अउर धरम रूप से बरदान बहुताई ते पावत हउ उइ एक मनई केर यारनी यीसु मसीह केर जरिये अवसय अनन्त जीवन मा राज करिहइं।

[18]एहिते जइस एकु अपराधु सबइ मनइन केर खातिर दन्ड केर आग्या क कारनु भवा। इसे एकु परम का कामउ सबन मनई केर खातिर जिनगी केर निमित्त धरमी—ठहराई जाई केर कारन भवा। [19]काहे ते जइस एक मनई की आग्या न मानइ ते बहुतइ लोग पापी ठहरिहैं वैसेन एक मनई की आग्या मानइ ते बहुतै लोग धरमी ठहरि हइं। [20]अउर बेवस्था बीच मां आइ गयी कि अपराधु बहुत होय जइहैं। पापु बहुत भवा उहां उइतेउ किरपा अधिक भवा। [21]कि जइस पापु मिरतू फैलावति भए राज किहिस वइसइ हमार परभु यीसु मसीह केर जरिए किरपा अनन्त जीवन केर खातिर धरमी ठहरावत भए राज करइ।

पाप केर मजुरी मिरतु यीसु दुआरा जीवन

6 हम का कहीं का हम पापु करति हइ कि किरपा बहुत होय? [2]कबहुं नाहीं, हम पाप केर खातिर मरि गयेन तउ फिरि आगेन उइ काहे जीवनु बिताई? [3]का तुम नाई जानत हउ कि हम जियने मसीह क बपतिसमा लीन, तनु उइ की मिरतु क बपतिसमा लिहेन। [4]ई कारन उइ मौत क बपतिसमा पावइते हम उइ केर साथे गाड़ि दीन गये। जेहिते जइसन मसीह बाप महिमा केर जरिए भरे हुइन मां ते जियावा गवा, वैसेइ हमहूं नवा जीवन की जइस चालु चली।

[5]काहे ते, अगर हम उइ की मसीह की मौत की बराबरी मां उइ केर साथइ जुटि गए हंय तउ जरुर उइ केर जी उठइ की बराबरी म जुटि जाइब। [6]हम जानित हय कि हमार पुरान मनई पर उइकै साथे सलीब प चढ़ावा गवा। जेहिते पापु क सरीर बेकार

हइ जाई। जेहिते हम आगे क पापु का दासपन न रहि जाय। [7]काहे ते जउन मनई मरि गवा, वहु पाप ते छूटि क धरमी ठहरा।

[8]हम मसीह क साथे मरि जाई तउ हमार बिसवासु इहु हय कि हम उइके साथे जिउवइ करिब। [9]काहे ते इउ जानित हय कि मसीह मरे हुएन माते जी केर उठि रहै फिर मरइ क नाई उइ पै फिर मौत कि परभुता नाई होय। [10]काहे ते उइ जउन मरि गवा तउ पापु क खातिर एकइ बार मरि गवा। पर जउन जीवित हइ तउ परमेसुर क खातिर जियत रहा।

[11]अइसहू तुमहूं अपन आप क पाप केर खातिर मरि गवा। तउ परमेसुर क खातिर मसीह यीसु म जियते समझउ। [12]एहि ते पापु तोहरे मरनन हार देह म राज न करइ कि तुइ उइ की लालसन केर अधीन रहउ। [13]अउर न अंगन केर अधरम केर हथियार होवे केर खातिर पापु क सौंपउ पर अपन आप क मरन हुअन मां ते जउन उठा भवा जानि कइ परमेसुर क सौंप देय। अउर अपन अंगन क धरम क हथियार होवै क खातिर परमेसुर क सौंपि देउ। [14]अउर तुइ पै पाप केर परभुता न होई काहे ते तुइ बेवस्था केर अध ीन नाई किन किरा केर अधीन हौ।

धारमिकता क दास

[15]तउ का भवा? का हम एहिते पापु करी कि हम बेवस्था केर अधीन हइं कबौ नाहीं? [16]का तुइ नाई जानत है, जेहिकी आग्या मानइ केर खातिर अपन आप क दामन कि नाई सौंपि देति हउ। उहिकी दासु हउ, अउर जेहिका मानति होउ चाहे पापु क जेहिका अन्तु मौतु हइ चाहे आग्या मानइ क जेहिका अन्तु धारमिकता हय। [17]परन्तु परमेसुर क धन्यवाद होय कि तुइ जउन पाप केर दास रहउ तउ मन ते उइ उपदेसु क मानइ वालेन हुइ गयउ। जेहिके सांचे म ढाले गए रहउ। [18]अउर पाप ते छोराये जाइके धरमु केर दास हुइ गयउ।

[19]हम तोहरी देही कि कमजोरी केर कारनु मनइन की रीति पै कहति हउं जेइसन तुइ अपन अंगन केर कुकरम केर खातिर तय असुद्धता अउर कुकरम केर दास केर केर सौपेउ रहैं। वइसे अब अपन अंगन कि पवित्तरता केर खातिर धरम केर दास करि कइ सौंपि देउ।

[20]जबै तु पाप क दास तने धरम कि ओर ते सुतंत्र रहेउ। [21]यहिते जउन बातन ते अब तुइ लज्जित होत हइ उइते उइ समय तुइ कउन फलु पावति रहइ? [22]काहे ते उइका अन्तु मौत हइ। पर अब पाप ते सुतन्त्र होई कइ अउर परमेसुर क दास बनि कइ तुइ फलु पाइतनि जइते। पवित्तरता पराप्त होत हइ अउर उइ केर अन्तु अनन्त जीवन हइ। [23]काहे ते पाप केर मजदूरी तउ मौत हय। पर परमेसुर क बरदान हमरे परभु यीसु मसीह म अनन्तु जीवन हइ।

बियाह केर बारे म

7 ऐ भइयन का तू नाहीं जानत? हम बेवस्था क जानेइ वालेन ते कहति हइं कि जबइ तक मनई जियत रहत हइ तबै तक उइ बेवस्था केर परभुता रही। [2]काहे ते वियाहता मेहरारू बेवस्था केर मुताबिक अपन पती केर जियति जी उइ ते बन्धी हइ। पर अगर पती मरि जाय तउ उइ पति की बेवस्था ते छुटि जाइ। [3]तउ अगर पति केर जियतै जी उइ कउनउ दूसर मनई की हुइ जाय तउ विभिचारिनी कहलाई, पर अगर पती मरि जाइ तउ उइ बेवस्था ते छुटि गइ। इहां तलक अगर कउनउ दूसरे कि होइ जाय तउ विभिचारि न ठहराइ।

[4]यहिते हे मोर भइयउ तुम्हरे मसीह कि देह केर जरिए बेवस्था केर खनती हुए वनि कयउ कि उइ दुसरि क होइ जाव जउन मरे हुवन केर खातिर फलु लाए। [5]काहे ते जबइ हम सरीर म रहित तउ पापन की अभिलासव जउन बेवस्था केर जरिए रहे मिरतु केर फलु, पैदा करइ केर खातिर हमार अंगन म काम करति रहै। [6]पर जेहि केर बंधन मा हम रहेन, उइके खातिर मरि कइ अब बेवस्था ते ऐसन छूटि गये कि लेख की पुरानी रीति पइ नाई। बलकी आतमा की नयी रीति प सेवा करति हय।

पाप केर साथ संघरसु

[7]तउ हम का कहीं? का बेवस्था पापु हय। कबौं नाहीं बलकी बिन बेवस्था हम पाप की नाई पहिचानित। बेवस्था अगर नाई कहति कि लालच न करा, तउ हम लालच क नाई जानित। [8]मुला पाप ई मौका पाइके आग्या केर जरिये म सब परकार कइ लालच पैदा को कहित बिन बेवस्था पापु मुरदा हइ। [9]हम तउ बेवस्था बिना पहिले यित रहेन रहेन, पर जबइ आग्या मिली तौ पापु जिय गवा, अउर हम मरि गयेन। [10]अउर वहइ आग्या जउन जीवन क खातिर रहइ हमार खातिर मरइ केर खातिर ठहरिउ। [11]काहे ते पाप मौका पाइके आग्या केर जरिए हमका बहकाइ कि अउर उहिकेर जरिए मोहि का मारिउ डारिसि। [12]इहि कारन बेवस्था पवित्तर हइ। अउर आग्यउ भी नींक अउर अच्छी हय।

13तउ का उइ जउन अच्छी रहेन हमार खातिर
मौत ठहरी? कबौ नाहीं पर पापु उइ अच्छी चीजन
केर जरिए। हमार खातिर मउत का पैदा करइ वाले
भयउ कि वहिका पापु होब परगट होय। अउर आग्या
केर जरिए पापु बहतइ पाप म ठहरई।
14काहे ते हम जानित हय कि बेवस्था तउ तौ
आतमिक हइ। पर हम सरीर केर अउर पापु केर
हाथन बिके भये हन। 15अउर जउन हम करित हइ
उइ का नाई जानित। काहे ते जउन हम करित हइ उइ
का नाई जानित। काहे ते जउन हम चाहत हइ वहु
नाइ किया करित हइ जेहिते मोहिका घिना आवति
हइ वहइ हम करित हइ। 16अउर जउन हम नाई
चाहित वहइ करित हइ तउ हम मानि लेइत हइ कि
बेवस्था भली हइ। 17तउ तौ यही दसा मां। उइ का
करै वाले हम नाई, बलकी पापु हइ। जउन हम मां
बसा भवा हय। 18काहे ते हम जानित हइ कि मोहि
मा यानी हमरी देही मां कउनउ नीक चीज बास नाई
करति। इच्छा तउ मोहि मां हय। पर नींक काम हमते
नाहीं होत। 19काहे ते जउन भलाई कामु बनि नाई
पड़ति, हम इच्छा करित हइ उइ तौ नाई करित पर,
जउन बुराई की इच्छा नाई करित हइ, वहै किया
करित है। 20पर अगर हम वहइ करति हइ, जेहि की
इच्छा नाई करित तउ वहिका करइ वाले हम नाई
रही, पर पापु जउन मोहिमा बसा भवा हइ।
21यहिते हम ई बेवस्था पाइसि हइ कि जबइ (हम)
भलाई करइ कि इच्छा करित हइ, तउ बुराई हमरे नेरे
आवति हइ। 22काहे ते हम भीतरि कइ मनई पनते
तउ परमेसुर कि बेवस्था ते बहुतै परसन रहति हय।
23पर मोहि केर अपन अंगन मां दुसरेइ परकार की
बेवस्था देखति परित है जउन हमार बुद्धी क बेवस्था
ते लड़ति हइ, अउर मोहि केर पाप कि बेवस्था कि
बन्धन मां डारत हइ। जउन हमार अंगन मां हइ।
24हम कइस अभागे मनई हन मोहिका ई देह ते कउन
छुड़ाई? 25हम अपन परभु यीसु मसीह केर जरिए
परमेसुर केर धन्यवाद करित हइ निदान हम आपन
बुद्धी ते तउ परमेसुर कि बेवस्था पर पाप की बेवस्था
क सेवन करति हइ।

आतमा पर मन लगाना जीवन

8यहि ते अब जउन मसीह यीसु म हय। उइ दन्ड
की आग्या नाहीं, काहे ते उइ सरीर क मुताबिक
नाइ, बल्कि आतमा क मुताबिक चलति हइ। 2काहे
ते जीवन कि आतमा कि बेवस्था ते मसीह यीसु म
मोहि का पाप कइ अउर मौतु कि बेवस्था ते सुतंतर
करि दिहिन। 3काहे ते जउन काम बेवस्था सरीर केर
कारन निरबल होइ क नाई कइ सकी वहिका परमेसुर
की यानी अपन बेटुवा कइ पापमय देह कि समानता
म अउर पाप केर बलदान होइ क खातिर भेजि कइ
ई सरीर मां पापमय डन्ड कि आग्या दिहिन। 4एहि
कि बेवस्था कि विधि मोहिमा जउन सरीर केर मुताबिक
नाई बलकी आतमा केर मुताबिक चलति हइ। पूरी
की जाइ।
5काहे ते सरीर केर मनई सरीर केर बातन पर मन
लगावत हय, वरन आतमा केर मनई आपन केर
बातन पर मनु लगावति हइ। 6सरीर प मनु लगावै म
मिरतू हय (मौत हय) पर आतमा प मनु लगावतु
जीवनु अउर सान्ती हइ। 7काहे ते सरीर पर मनु
लगावतु परमेसुर ते बैरु राखवु हय, काहे तउ परमेसुर
कि बेवस्था की अधीन होत हय। अउर न हो सकत
हइं। 8अउर जउन सरीर केर दसा म वे उइ परमेसुर
की बेवस्था की अधीन होत हय। अउर न होइ सकत
हंइ।
9पर जबै परमेसुर कि आतमा तुइ मां बसति हय
तउ उइ सरीर कैदसा मं नाही हय, पर आतमा कि
दसा मं हउ। अगर कउनउ मां मसीह कि आतमा नाई
हइ तउ वै जउ जौनु नाई भई। 10अउर मसीह तुह मां
हइ तउ देह पाप केर कारन मरी भई हय। प आतमा
धरम केर कारन जीवित हइ। 11अउर अगर वहि की
आतमा जेहिमा यीसु क मरे हुएन मां ते जिलाइसि,
तुइ मां बसउ हइ, तउ जेहि मसीह क मरे हुएन मा
ते जियाइस उइ तोहरी नासमान देहि क आपन
आतमा केर जरिये जउन तोहिमां बसा भवा हुइ
जियइ हइ।
12तौन ए भयउ ऊ हम सरीर केर करजदार नाई
कि जेहिते सरीर की मुताबिक जिनगी बिताई। 13काहे
ते अगर तू सरीर केर मुताबिक दिन कटिहउ तउ मरि
हो, अगर आतमा देह कि किरियन क मरिहउ तउ
जियत रहि हउ। 14यहिते कि जितनेइ मनई परमेसुर
कि आतमा केर जरिये चलति जाति हइ वही परमेसुर
क बेटुवा हय। 15काहे ते तोहिका दास तव केर
आतमा नाई मिली कि फिर भयभीतु होउ। पर
लेपालकपन केर आतमा मिलि हय, जेहिते हे अब्बा,
हे बाप कहि कइ पुकारति हइ। 16आतमा खुद हमार
आतमा केर साथ इ गवाही देति हयकि हम परमेसुर
कि सन्तान हय। 17अर अगर सन्तानु हइ तौ बरिसउ
बलकी परमेसुर केर वारिस अउर मसीह क साथी
वारिस हइ जबै हम वहि केर साथ दुख उठाइ केर
उइके साथ महिमउ पाई।

भबिस म महिमा

18काहे ते हम समझित हइ कि ई समय केर दुख
अउर कलेसु उइ महिमा केर समुहे जउन हम पै
परगट होवै वाली हय, कुछौ भी नाहीं हइ। 19काहे ते
दुनियां बड़ी आसा भरी निगाह ते परमेसुर केर बेटवन
केर परगट होवै कि बांट जोहत हइ। 20काहे ते दुनिया
अपन इच्छा ते नाई पर अधीन करइ वालेन कि ओर
ते बेयरथ केर अधीन इहि आसा ते कीन गई। 21कि
दुनिया अपने खुदै विनासु केर दासता ते छुटकारा
पाइ कइ परमेसुर कि सन्तानन केर महिमा की सुतंतरता
परापत करिहइ।

22काहे ते हम जानित हइ, कि सारी दुनिया अब
तलक मिलि कइ कराहत अउर पीरन म पड़ी तरपति
हइ। 23अउर केवल उहि नाई पर हमहूं जेहि के पास
आतमा क पहिल फलु हउ खुदै आपन मां कराहति
हइ। अउर लेपालक होई क यानी अपन देही क
छुटकारेइ कि बांट जोहति हइ। 24आसा के जरिये
हमार उद्धार भवा हइ। पर जउन सामान की आस
कीन जाति हइ। जबइ उइ देखन मां आवइ ऊ फिर
आसु कहिके रहीं? काहे ते जउन सामान क कउनउ
रहा हइ। उइ की आस का करी। 25पर जउन सामान
का हम नाई देखित अउर उइकी आस राखित हइ
तउ धीरज ते वहिकी बाट जोहति हइ।

26यही नाते ते आतमउ हमार निरबल तव सहायता
करति हइ, काहे ते हम नाई जानित कि पराथना
कउनु मति ते करैक चाही। पर आतमा खुदै ऐइसि
आहें भरि–भरि कइ जउन बयान ते बाहर हइ। हमार
लिये बिनती करति हइ। 27अउर मरन क जांचेइ
वालइ जानति हइ कि आतमा के मन मा का हुइ?
काहे ते उइ पवित्तर लोगन के खातिर परमेसुर कि
इच्छा कि मुताबिक बिनती करत हय।

बिजेता ते बड़ केर

28अउर हम जानित हइ कि जउन लोग परमेसुर ते
पिरेम राखति हय, उइ कै खातिर सबइ बातइ मिलि
कइ भलाइय पैदा करति हय, यानी उनहिन केर
खातिर जउन उइ की इच्छा कि खातिर बुलाए भये
हइ। 29काहे ते जेहिका पहिलेन म जानि जीवन हइ,
उन्हका ते ठहराइउ हइ कि उइके बेटवा के रूप मा
होउ। जेहिते बहुतइ भइयन म पहिलउ ठहरइ। 30फिर
जेहिका उइ पहिलेन ते ठहराइन उनहुन क बुलाइन
रहै। अउर जिन्हका बुलइन उन्ह का धरमिउ ठहराइन
हइ, अउर जेहिका धरमी ठहराइन उन्हका महिमउ
दीन हइ।

31ई कारन हम इन्ह बातेन कै बारे मां का कही
अगर परमेसुर हमरी ओर हइ तउ हमार विरोधी कवनु
हुइ सकत हय। 32जउन अपनइ बेटवउ क न रखि
छोड़ेसि पर वहु क हम सबै क खातिर दइ दिहिस ऊ
उइ केर साथ हमका अउर सबइ कुछ काहे न देई।
33परमेसुर क चुनै भयेन प कउनु दोसु लगाई परमेसुर
ऊ हइ जउन उनहुक धरमी ठहरावै वाला हइ। 34फिर
कउन हइ जउन दंड कै आग्या देई? मसीह ऊ हइ
जउन मरि गवा बलकी मुरदन मां ते जीउ उठा रही
अउर परमेसुर क दाहिनी ओर हइ। अउर हमार
खातिन बिनती करति हइ। 35कउन हमहूं क मसीह
के पिरेम ते अलग करि हइ। का कलेसु या संकटु या
उपदरउ या अकालु नंगाई जोखिम या तलवारु?
36जइस लिखउ हइ कि धरम सास्तरन लिखित हय
तोहरे खातिर हम दिनउ भर घात कीन्हें जाइत हय।
हम बधे होई वाली भेड़न कि नाई गिने गये हन।

37पर ई सबन बातेन मां हम उइ के जरिये जउन
हम ते पिरेम किहिस हइ जयन्तउ ते बढ़ि कइ हइ।
38काहे ते हम निस्चय जानित हइ न मौतु न जीवनु,
न सरग क दूत, पर परधानतइ न बर्तमान बेवस्थइ न
सामरथ। 39न ऊंचाई न गहराई अउर न कउनउ अउर
सिरिस्टी हमका परमेसुर क पिरेम ते जउन हमरे परभु
मसीह यीसु म हय, अलग करि सकि हय।

परमेसुर केर सासक केर इच्छा

9 हम मसीह म सचु कहित हइ झूठ नाई बोलित
अउर हमार विवेकु पवित्तरु आतमा मा गवाही
देति हइ। 2मोहिका बड़इ सोकु दुख हइ अउर हमार
मनु सदइ दुखित रहित हइ। 3काहे ते हम इहां तक
चाहित रहइ कि अपन भाइन के खातिर जउनु सरीर
केर भाउ केर हमार कुटुम्बी हइं, आपउ मसीह ते
सापित होइ जाति। 4उइ इसराएल हय। अउर
लेपालकपन क हकु अउर महिमा अउर वाचाए अउर
बेवस्थान अउर पूजा अउर पतिग्यों उनहिक की हइ।
5पुरिखउ उनहिन की हइ, अउर मसीहउ सरीर के
भाउ ते उनहिन मा ते भवा, जउन सबन कै ऊपर
परम परमेसुर जुगन–जुगन तक धन्न हइ। आमीन।

6पर ई नाई कि परमेसुर केर वचनु टलि गवा, यहि
ते जउनु कि इसराएल के बंस केर हइं उइ सबै
इसराएली नाई। 7अउर न अबराम के बंस के होवइ
केर कारन सबै उइ के सनतान ठहरइ। पर लिखउ हइ
कि इसहाकइ ही ते तोहार बंसु कहायी। 8यानी कि
सरीर की परमेसुर कि सन्तान नाई पर परतिग्या कइ
सन्तान बंस गिने जाति हइ। 9काहे ते परतिग्या केर

वचनु ई हुइ कि हम ई समइ के मुताबिक आइब अउर सारा का बेटवा होई।
10अउर अकेले इहै नाई पर जबइ रिबका उ एकु ते यानी हमार कुल बाप इसहाक ते गरभवती हुई।
11अउर अबही तलक न तउ बालकु जनमें रहइ। अउर न उइ कछु भलउ या बुरउ किहिस रहइ कि उइ कहिसि, कि जेरा ते छुटके क दासु होई। 12यहि ते परमेसुर कि मनसा जउन उइके चुनि लेइ के मुताबिक हइ, करमन के कारन नाई पर बुलावेइ वालेन पर बनी रहइं। 13जइस लिखउ गवा हइ कि हम याकूब ते पिरेम किहेन, पर ऐसाव क अपरिय जानेन।
14यहिते हम का कही? का परमेसुर कै इहां घर मा अनयायु हय? कबौ नाई। 15काहे ते उइ मूसा ते कहति हय, हम जेहि कउनउ प दया करै क चाहिं उहि पर दया करिहउ अउर जेहि कउनउ कउनउ प किरपा करै क चाहीं उहि प किरपा करिहउ।
16यहिते ई तउ चाहेन वालेन कि न तउ दोड़इ वालेन कि पर दय करै वालेन परमेसुर कि इच्छा पर होत हय। 17काहे ते पवित्तर सास्तर म फिरोन ते कहा गवा, कि हम तोहिका एही ते खड़ा कीएन हय कि तोहरे अपनी सामरथ दिखाई, अउर हमरे नामु क परचारु सरिये धरती पर होय। 18उहिते यहि उइ जउन चाहित हइ उइ पर दया करित हय, अउर जेहिका चाहति हइ उइ का कठोरु कइ देति हइ।
19यहिते तुइ मोहि ते कहिइ उइ फिर काहे दोसु लगावति हइ? कउन उइ वहिकी इच्छुक सामना करति हइ? 20ए मनई भला तुइ कवनु हइ, जउन परमेसुर क सामन करत हइ का गढ़ी सामान गढ़ै वाले ते कहि सकति हय कि तुइ मोहिका एइस काहे बनाइसि हइ। 21का कुम्हार की माटी पर अधिकारु नाहीं कि एकइ लोंदे मं ते, एकु बरतनु आदरु कै खातिर अउर दूसरे क अनादरु कै खातिर बनावइ?
तउ इहिमा कउनि का अचम्भे कि बात भई।
22कि परमेसुर अपन किरोध देखावइ अउर अपन सामरथ परगट करइ कि इच्छा ते किरोध के बरतनन क जउन विनास के खातिर तैयार किये गये रहइ। बड़े धीरजु ते साहिसि। 23अउर दया के बरतनन पर जिन्हका उइ महिमा के खातिर पहले ते तैयार किहिन हय, अपन महिमा के धन क परगट करइ कि इच्छा किहिन। 24यानी हम सबन प जउन उइ न केवल यहूदिन मां ते बलकी दूसरी धरमन मां तउ बुलाइसि।
25जइस उइ नबी होसे की क किताब मां ऊ कहति हय कि जउन हमारि परजा नाई रहइ उन्हुन क हमते अपन परजा कहिब अउर जउन पिरया नाई रहै। उहिका पिरया कहब। 26जगत मां उइ ते इउ कहा गवा रहइ कि तुइ हमार परजा नाहीं हउ जगह वह जीवित परमेसुर कि सन्तान कहिलाइब हय। 27अउर यसायाह इसराएल के बारे मां पुकारि कइ कहति हय कि चाहे इसराएल कि सनतानन कि गिनती समुंदर के बालू क बराबर होय। तबउ उइ मां ते थोड़ेइ बचि हइं। 28काहे ते परभु अपन बचन धरती पूरा करि केर धरमिकता ते तुरतै वहिका सिद्धि करि हइ। 29जइस यसायाह पहिलेइ कहिसि रहइ कि अगर सेनाउन क परभु हमरे खातिर कछु न छोड़ति। तउ हम सदोम नाई होई जाइति अउर अमोरा क सरीखे ठहरति।

बिसवासी इसराएल

30यहिते हम का कही? इह कि दूसर धरम क मनाइ वालेन जउन धारमिकता कि खोजु नाई करति रहइ धारमिकता क जउन बिसवासु ते हइ। 31पर इसराएली जउन धरम कि बेवस्था कि खोज करत भये, उइ बेवस्था तलक नाई पहुंचे? 32काहे ते उइ बिसवासु ते नाई पर मानों करम ते उइकी खोजु करति रहेउ, उइ ठोकर कै पत्थर प ठोकर खाइन।
33जइस लिखउ हय, धरम सास्तर मां देखउ हम सियोन मां एकु ठेस लागइ क पत्थरु अउर ठोकरु खाय के एकु चट्टानु राखित हय। अउर जउन उइं प बिसवासु करिहइ उइ लज्जित न होइ।

10 ऐ भयउ, इसराएल के लीन्हें हमार मन केर लालसा हइ अउर उइके खातिर परमेसुर ते हमार विनती हइ कि उइ उधारु पावेइ। 2काहे ते हम उइ की (इह) गवाही देत है कि उइका परमेसुर के खातिर धुनि लागि रहत हइ। पर बुद्धिमानि क साथइ नाई। 3वह तो परमेसुर कि धारमिकता ते अनजानु रहि कइ, एहि लीन्हें वै अउर अपन धारमिकता की असथापना करइ के यतनु करिकै परमेसुर की धारमिकता के अधीन न भये। 4काहे ते हर एकु बिसवासु करै वालेन के खातिर धारमिकता कै निमित मसीह बेवस्था क अन्तु हइ।
5काहे ते मूसा यहु लिखित हइ कि जउन मनई उइ धारमिकता प जउन बेवस्था ते इह चलति हइ, उइ कारन जियति रहिहइ। 6पर जउन धारमिकता बिसवासु ते हइ उइ अइसे कहति हइ कि तुइ अपन मन मं यहु नाई कहेउ कि सरग पे कउन चढ़िहइ? यानी मसीह क उतार लावेइक खातिर। 7या गहराव व कवनु उतरी? यानी मसीह क मरे हुएन मां ते जिलाइ कइ ऊपर जावइ के खातिर। 8मुला बेवस्था का कहति

हइ? इहु कि वचनु तोहरे पासइ हय या मनु मां, अउर तोहरे मन मा इहु उइ विसवासु क वचन हइ। जउन हम परचारु करति हय। 9कि अगर तुइ अपन मुह ते यीसु को परभु जानि केर अंगीकार करइ अउर अपन मन ते विसवासु करइ कि परमेसुर वहिका मरे हुएन मा ते जियाइसि। बहुतइ निस्चय उद्धारु पाई। 10काहे ते धारमिकता के खातिर मन ते विसवासु कीन जात हइ अउर उद्धार कै खातिर मुंह ते अंगीकारु कीन जात हइ। 11काहे ते पवित्तर सास्त्र ई कहति हय कि कउनउ उइ पे विसवासु करि हइ उइ लज्जित न होई। 12यहूदिन अउर यूनानिन मा कछु भेदु नाहीं इहि कारन कि वहु सबै क परभु हय, अउर अपन सब नाउ लइन वालेन क खातिर उद्धारु हइ। 13काहे ते जउन कउनउ परभु क नाम लेई वहु उद्धार पाई।

14फिर जेहि पर उइ विस्वासु नाई किहिन उइ उहि का नाम काहे लेई। अउर जेहिकी नाई सुनिन उइ पर काहे विसवासु करौ। 15अउर परचारक बिन कहा सुनै? अउर अगर भेजइ न जाई तउ काहे परचारु करे? जइस लिखि हय कि उइके पाँव कइस सुहावने हइ। जउन नीक बातन क सुभ सनेस सुनावति हइ।

16पर सबइ उइ सुभ संदेस पै कानन पै लगाइन धियान नाहीं दिहिन। यसायाह कहति हय कि हे परभु कउन हमार सचार क परतीत कहिस हय? 17यहिते विसवासु सुनइ ते अउर सुनव मसीह क वचनु ते लेत हइ। 18पर हम कहित हय का उइ नाई सुनिन? सुनि तौ सही काहे ते लिखउ हय कि धरम सास्तरन मा लिखा गवा हय उइके सुर सारी धरती प अउर उइ के वचनु जगतु के छोर तक पहुंचि गये। 19फिर ऊ कहित हय का इसराएल ई भइ नहीं जानित हइ तउ मूसा कहिति हय कि हम उइके जरिये उनहुन जउन जाति केइ तोहरे मन मा जलन उपजाइव हय उन्हउ का मन मां जलन उपजाय हय। हम एकु मूढ़ जाति के जरिए तोइका रिस दिलावउब। 20फिर यसायाह बड़े हिसाब के साथ कह हय क जउन नाई ढूंढ़त रहइ उइ हमका पूछि लिहिन हय। उइके हम परगट होइ गइन। 21पर इसराएल क बारे मा नबी उइ अस कहति हइ कि हम सारे दिन अपन हाथ एकु आग्या न मानेइ वाली अउर विवादु करइ वालेन परजा कि ओर पसारि रहा।

इसराएलिन अवसेस

11 ई खातिर हम कहित हइ कि परमेसुर अपन परजा क तियागि दिहिसि? कबहूं नाई, हमहूं तउ इसराएली हन। हम अबराम के बंस अउर बिन्यामीन के गोत्र मक हउं। 2परमेसुर अपन उइ परजा क तियागिस जेहिका उइ पहिलेन ते जानित। का तुइ नाई जानति के पवित्तर सास्त्र एलियाह के कथा मा का कहति हइ। कि उइ इसराएल क विरोधु म परमेसुर ते विनती करति हइ। 3कि हे परभु उइ तोहार नबिन क घात कहिन। अउर तोहर बेदिन क ढाई दिन हई अउर हमइ अकेले बचेन हय। अउर उइ हमार परानन क खोजय वालेन हय। 4पर परमेसुर ते उइ कउनउ जबाबु मिला कि हम अपन खातिर सात हजार मनइन क राखि छोड़ेन हइ। जउन बाल देवता क अगे अपन घुटनन क नाई टेकिन हइ। 5तउनु उए ही रीति ते ई समयउ किरपा ते चुने भये केते लोग बाकी हुइं। 6अगर एहु किरपा ते भवा हइ तउ फिरि करमन ते नाई तौ किरपा फिर किरपा नाई रही।

7तउन फलु का भवा? इ कि इसराएल जेहिकी खोजु म हय, उइ उनका नाई मिला। पर चुने हुएन क मिला। अउर एइस लोग कठोर रहे। किए गये हइ। 8जइस लिखउ हइ कि परमेसुर उन्हका आजु केर दिनु तलक भारी नींद मां डारि राखिन हइं। अउर अइसि आंखिन क दिहिन जउन अउर अइसन कान (दिहिन) जउन न सुनई। 9दाऊद कहति हय, उइ केर भोजनु उइके खातिर जालु अउर फन्दा अउर दन्डु क कारन होइ जाइ। 10उइकी आंखिन पे अंधेरु छाइ जाइ जेहिते न देखहु, अउर तुइ सदा उइ की पीढ़ी क झुकाए इ राखइ।

साखाऐं खुस नाहीं

11तउन हम कहति हय का उइ एही खातिर ठोकरु खाइन कि गिर परै? कबहू नाहीं पर, उइके गिरै के कारन दूसरे धरम के मानइ वालेन क उद्धारु मिला, कि उन्ह का जलनु होय। 12तउ अगर उइ का गिरब संसारु कै खातिर धनु अउर उइकी छोरि दूसरन धरमन के खातिर सम्पत्ति क कारन भवा तउ उइकी भरपूरी ते कितने म होई।

13हम तुम दुसरे धरमन ते ई बात कहति हयं जबइ कि हम दूसर धरमिन केर खातिर परेरित हइं, तउ हम अपन सेवा कि बड़ाई करति हउ। 14जेहिते हम कउनउ रीति ते हम अपन कुटुम्बिन ते जलनु करवाई के उनहुन मां ते कई एकु क उद्धारु कराई। 15काहे ते जबइ उन्हका तियाग दीन जाउब संसार कै मिलापु क कारनु भवा तउ का उनहुन का गिरहन की आ जाब मरे हुवन मां ते जउन उठइ के बरोबर न होई? 16जब भेंटु क पहिल पेड़ा पवित्तर भवा तौ पूरा समा (गूंथा

भवा) हुएन आटउ पवित्तर हय अउर जब जड़ पवित्तर ठहरी हय तउ डारिनउ अइसन हय।

17अउर अगर कइयउ डारी तूड़ि दीन गइ अउर तुइ जंगली जलपाई होइ के उइ मां साटा गवा अउर जलपाई की जड़ केर चिकनाई क भागी भवा हइ। 18तउ डारन प घमंड न करउ अउर अगर तुइ घमंड करइ तउ इह जानि लेव कि तुम जड़ का नाहीं पर जड़ तोहिका संभारति हय। 19फिर तुइ कहिहउ डारिन का ई कारन तोरी गई हय छाटा जाई। 20भला उइ तउ अविसवासु के कारन तोरी गई हय पर तुइ विसवासु ते बना रहति हइं। एहिते अभिमानी न होउ, पर भय करउ। 21काहे ते जवै परमेसुर सुभाविक डारिन क न छोरि।

22एहिते परमेसुर कि किरपा अउर कड़ाई पर तोहि पर किरपा अगर तुई उहिमा बना रहइ नाहीं त उइके तुहऊ काटि डारा जाई। 23अउर वऊ अगर विसवासु म नाई रहइ तउ छांटि जइ हंइ। काहे ते परमेसुर उनहुक फिरि छांटि सकति हइ। 24काहे ते यदि तू जल पाइ ते जउन सुभाव ते जंगली हइ काटा गवा। अउर सुभाव के विरुद्ध नीक जलपाई म छांटा गवा। तउ जउन सुभाविक डारी हइं। अपनेइ जलपाई छांटे काहे न जइहइ।

सारे इसराएलिन बच गइन

25ऐ भइयउ कहूं ऐसन न होय कि तुइ अपन आप क बुद्धिमान समझउ। ई कारन हम नाई चाहित कि तुइ इह भेद ते अनजानु रहउ कि जबै एक दुसरे धरम वाले पूरी तरह ते परवेसु न करि लेई। तब तलक इसराएल क एकु भाग ऐसन कठोर रही। 26अउर इ रीति ते सारा इसराएल उद्धार पाई। जइस लिखिउ हइ कि छुड़ावै वालेन सिय्योन ते आई, अउर अभगत याकूब ते दूरि करि हय। 27अउर उइ के साथइ हमरी इंहइ वाचा होई, जबै कि हम उइके पापन क दूरि करि देइब। 28उइ सुभ समाचार क भाव ते तउ तुहार बैरी हय। मुला चुनइ खातिर जाइके आप ते बाप दादा का पियारे हइं। 29काहे ते परमेसुर अपन बरदानन ते अउर बुलाहट ते कबउ पाछे नाहीं हटत हइं। 30काहे ते जइसइ तुइ पहिलेन परमेसुर केर आग्या नाहीं मानेव पर अबहूं उइकी आग्या न मानइ ते तोहरे पर दया भई। 31वइसइ उनहुन अब आग नाहीं मानेन कि तोहि पर जउन दया होति हइ सहिते उनहुन पै दया होय। 32काहे ते परमेसुर सबन क आग्या न मानेइ कै कारन बन्द रक्खिसि जेहिते उइ सबन पर दया करइ।

महिमा गीत

33आहा, परमेसुर क धन अउर बुद्धि अउर गियान कइस गंभीर हइ। अउर उइ उइके मारग कइस अगम हइ। 34परभु कि बुद्धि क कउन जानिसि के या उइका मंत्री कउन भवा। 35या कउनउ पहिले उइ का कछु दिहिस हइ। 36जेहिका बदला उहिका दीन जाय। काहे ते उइकी ओर ते अउर वहि के जरिए अउर उइ के खातिर सब कछु हइ, उहि की महिमा जुगन–जुगन तक होति रहइ। आमीन।

जीवित बलिदानु

12 यहिते भइयउ, हम तोहिते परमेसुर कि दया याद दिलाई कइ विनती अनुरोध करित हय कि अपन सरीर के जियत अउर पवित्तर, अउर परमेसुर क पसन्द आवइ वाले बलिदानु कइके चढ़ाउ। इहइ तोहार आतमिक सेवा हय। 2अउर ई संसार के समान नाई बनउ पर तोहरी बुद्धि क नए हो जाइ ते तोहार चाल चलनउ बदलि जाई। जेहिते तुइ परमेसुर कि भली अउर मन भावती अउर सिद्ध इच्छौ कि अनुभव ते मालूम करति रहउ। 3काहे ते हम इह किरपा के कारन, जउन मोहिका मिलाइ हइ, तोहरे म ते हर एकु ते कहति हय कि जइसन समुझइ क चाही उइ ते बढ़ कइ कउनउ अपने आप का न समझइ पर जइसन परमेसुर हर एकु क फल क मुताबिक बांट दिहिस हय। वइसय सुबुद्धि के साथइ अपन क समुझइ। 4काहे ते जइसय हमारि एकु देह म बहुतइ अंग हइ। अउर सकइ अंग एक जइस कामु नाई। 5वइसइ हम जउन बहुत हइं। मसीह मां एकु देह कइ आपस मां एक दुसरे की अंग हइ। 6अउर जबइ उइ किरपा के मुताबिक जउन हमका दीन गवा हइ। हमका अलग–अलग वरदानु मिले हइं। तउ जेहिका भविसवानी केर वरदानु मिले हउ ऊ विसवासु क फल के मुताबिक भविसवानी करइ। 7अगर सेवा करइ केर वरदानु मिल गवा होय तउ सेवा मां लगाइ रहइ। अगर कोई सिखावइ। वाल होय तउ सिखावइ मां लाग रहइ। 8जउन उपदेसुक होई ऊ उपदेसु दैवइ म लगइ रहइ, दानु देव वालन उदारता ते देय। जउन अगुवाई करै उइ उत्साह ते करइ जउन दया करइ उइ हरस ते दया करै।

परेम

9परेम निसकपट होय। बुराई ते घिरना करउ। भलाई म लागेइ रहउ। 10भाई–चारे क पिरेम ते एक दुसरे पर दया करति रहेउ। आपसु म आदरू करइ मं एकु

दुसरे ते बढ़ि कइ चलउ। 11पर य तउ करै मं आलसु न करउ। आतमा के उन्मादु म भरे रहउ। परभु की सेवा करति रहउ। 12आसा मां खुसी रहउ। कलेसु मं स्थिर रहउ पराथना मं नित लागु रहेउ। 13पवित्तर लोगन क जउन कुछ कमी होय वहिमा उइकी उन केर मदति करउ। पहुनाई करइ मा लागि रहउ।

14अपन सतावइ वालेन क आसीस देउ। असीस दउ सराप न देउ। 15आनन्द करेइ वालेन केर साथ आनन्द करउ, अउर रोवइ वालेन क साथे रोवउ। 16आपसु मं एकइ सा मन रखउ, अभिमान न होउ, पर दीनन के साथ संगति राखेउ। अपन निगाह मं बुद्धिमान न होउ।

17बुराई के बदले कउनउ ते बुराई न करेउ। जउन बात ई सबन के निगाह मं भली हय उइकी चिन्ता कीन करउ। 18जहां तलक होय सकइ तू अपन ओर ते सब मनइन के साथ मेलु–मिलापु रक्खउ। 19ऐ पियरेउ अपन बदला न लिहेव पर किरोधु क मौका देउ। काहे ते लिखउ हय ''बदला लेव हमार कामु हइ'' ''परभु कहत हइ हम ही बदला देइब''। 20पर अगर तोहार बैरी भूखा होय तउ उइका खाना खिलाउ। अगर पियासा हइ तउ पानी पिलाउ। काहे ते अइसन करइ ते तू ओहिके मूंडे प आग के अंगारन क ढेरु लगाई। 21बुराई ते न हारेउ, पर भलाई ते बुराई क जीतिन लेउ।

अधिकारन केर समरथन

13हर एकु मनइ परधान अधिकारी कै अधीन रहइ, काहे ते कउनउ अधिकारु ऐसन नाई जउन परमेसुर क ओर ते न होई, अउर जउन अधिकारु हइ उइ परमेसुर क ओर ते न होइ, अउर जउन अधिकारु हइ उइ परमेसुर क जरिये ठहराएइ भई हइं। 2एही कारन जउन कउनउ अधिकारु का विरोधु करत हय, उइ परमेसुर के विधि का सामना करत हय। अउर सामना करइ वाले दन्ड पइहइ। 3काहे ते हाकिम नीक काम नाहीं मुला बुरे कामन के खातिर हइ। ऊ का कारनु हय। अगर तुइ हाकिम ते निडर रहब चाहित हय तउ नीकु काम करेउ अउर उहिकी ओर ते तुहरी सराहना होई। 4काहे ते उइ तोहरी भलाई क खातिर परमेसुर का सेवकु हइ पर अगर तुइ बुराई करी तौ उरउ काहे ते उइ तलवारु बिरथइ लिये भये नाई, अउर उही परमेसुर का सेवकु हय कि उहिके किरोधु के मुताबिक बुरइ कामु करेइ वालेन का दन्ड देउ। 5इहि ते अधीन रहबु। न केवलु उइ किरोधु ते पर डर ते अवस्य हइ। बलकी बुद्धी यहइ गवाही देति हइ। 6इहिते करिव देउ। काहे ते उइ परमेसुर क सेवकु हइ। अउर सदा एही काम क लगे रहति हइ। 7एहि कारन हर एकु क हक चुकावउ करउ। जेहिका करु चाहिय उहिका करू देव। जेहिका महसूल चाही वहिका महसूल देव। जेहिते डेराय चाही उइते डेराव जेहिका आदरु करइ का चाही, ओहिका आदर करउ।

परेम क परमेसुर केर आना निकट है

8आपस कै पिरेम क छोरि अउर कउनउ बात मं कउनउ क करजदारु न होउ। काहे ते जउन दुसरे ते पिरेम राखति हय वहइ बेवस्था पूरी किहिस हय। 9काहे ते बेभिचारु न करव, हतिया न करव, चोरी न करेव, लालचु न करव, अउर इन्हका छोरि के अउर कउनउ आग्या होउ तउ सबइ का सारांसु ई बात मं पावा जाति हइ कि अपन पड़ोसी ते अपन तना पिरेम राखउ। 10परेम पड़ोसी की कुछु बुराई नाई करति हइ। एहि पिरेम राखव बेवस्था का पूरा करव हइ।

11अउर समय क पहिचानि कइ अइसइ करउ एहिते किएब तोहरे खातिर नींद ते जागिउ उठइ केर घरी आइ पहुंची हय। काहे ते जेहि समय हम विसवासु कियेन रहइ। ओही समय क विचारु ते अब हमार उद्धार नगीचे रहइ। 12राति बहुत बीति गइ हइ, अउर दिनु निकरइ पर हय यहिते हम अन्धकारु के कामनु क छांरि कइ जोति कै हथियार बांधि लेई। 13जइस दिन क सोहति हइ वइसन हम सीधी चालु चली न कि लीला, क्रीड़ा, पियक्कड़पन न बेभिचारु, न लुचपन, न झगड़ेन अउर डाह म सहय बिताई। 14बालकी परभु यीसु मसीह क पहिनि लेउ। अउर सरीर क उपायु न करउ।

निरबल म सामरथ

14जउन विसुवासु म निरबल हइ उइका अपन संगति मं लइ लेउ। पर उइ की संकन प बिवादु करइ क खातिर नाहीं। 2काहे ते एकु क विसवासु हइ कि सब कुछ खाएक उचित हइ पर जउन विसवासु मं निरबल हइ वह सागु पातइ खाति हइ। 3अउर खायेइ वाला न खाए वालेन का तुच्छ न जानैं, अउर न खाऐइ वालेन प दोसु न लगावइ। काहे ते परमेसुर उइका स्वीकारु किहिस हइ। 4तुइ कवनु हउ। जउन दूसरे क सेवकु प दोसु लगावति हइ। उइ विसवासु मं घिर रहब या गिरि जाब उइकै स्वामिउ ते सम्बन्धु रखति हय।

बल्कि वहु स्थिर होइ कइ दीन जाई।
5काहे ते परभु वहिका स्थिर रखि सकत हइ।
कउनउ तइ एकु दिनु कउ दुसरे ते बढ़ि कइ जानित
हय। हर एकु अपनेइ मन का निसचय कइ लेई।
6जउन कउनउ क मानिति हइ ऊ परभु कै खातिर
मानति हइ। जउन खाति हइ उइ परभु के खातिर
खाति हइ। काहे ते उइ परमेसुर क धन्यवाद करति
हइ अउर जउन नाई खाति इह ऊ परभु के खातिर
नाई खाति। अउर परमेसुर क धन्यवाद करति हइ।
7काहे ते हम मां ते न कउनउ अपन खातिर जीवित
हइ। अउर न कउनउ अपन खातिर मरति हइ। 8काहे
ते अगर हम जियति हइ तउ परभु के खातिर अउर
मरति हइं तउ परभु के खातिर। यहिते हम जी या
मरी हम परभु के हइं।
9काहे ते मसीह इह कारन मरा, अउर जीउ उठा
कि उइ मरे हुएन अउर जियत लोगन क दोउन क
परभु न होय। 10तू आपन भाई प काहे दोसु लगावति
हइ? या तुइ फिरि काहे अपन भाइन क तुच्छ जानति
हइ? हम सब क परमेसुर क नियायु के सिंहासनु के
समुहे खेड़े होइबइ। 11काहे ते लिखउ हय कि परभु
कहति हइ, हमरे जीवन की सौगन्ध कि हर एकु
घुटना हमार समुहे टिकी हइ। अउर हरु एकु जीभ
परमेसुर क स्वीकारु करि हइ। 12तउनु हमरे मां ते हर
एकु मनई परमेसुर क अपन–अपन लेखा देई।
13तउनु हम आगे क एकु दुसरे प दोसु न लगाई।
पर तुई ठानि लेइ कि कउनउ अपन भाई के समुहे
ठेसु या ठोकर खाइ क कारनु न राखइ। 14हम
जानित हइ अउर परभु यीसु ते हमार निसचय भवा
हइ कि कउनउ सामान अपन आप ते असुद्ध नाई पर
जउनु वहिका असुद्ध समझति हइ वहिके असुद्ध हइ।
15यदि तोर भाई तोहरे भोजन के कारनु उदासु होत
हय तउ फिर तुइ पिरेम की रीति ते नाई चलति,
जेहिके खातिर मसीह करो रहेइ। वहिका तू अपन
भोजन के जरिये नासु न करउ। 16अब तोहरी भलाई
की निन्दा न होई पावइ। 17काहे ते परमेसुर के राज
मां खाब–पियब नाई, पर धरम अउर मिलपु अउर
आनन्द हय। 18जउन पबित्तर आतमा ते होति हय,
अउर जउन कउनउ इहि रीति ते मसीह की सेवा
करति हइ, उइ परमेसुर क भवत हइं अउर मनइन म
गरहन करै जोग ठहरति हय।
19ई कारन हम उन बातन क जतन करि जिन्हते
मेलि–मिलाप अउर एकु दुसरेन क सुधारु होय।
20भोजनु कै खातिर परमेसुर क काम न बिगाड़उ सबै
कछु सुद्ध तउ हइ। पर उइ मनई क खातिर बुराई हइ।
जेहिका वहिके भोजन करइ ते ठेस लागति हइ।
21भला तउ ई हइ कि तुइ न मासु खाय अउर न
दाखु क रस पीवइ अउरु न कछु ऐस करइ जेहिते
तोहरे भाई ठोकरु खावइ।
22तोहरा जउन विसवासु होय उइका परमेसुर के
समुहे अपनइ मन मांही राखेउ, धन्य हइ उइ, जउन
उइ बात मां जेहिका ऊ ठीक समझति हइ, अपन
आप के दोसी नाई ठहरावति। 23पर जउन सन्देहु करि
कइ खात हइ उइ दन्ड के जोग ठहरि चुका हइ। काहे
ते उइ निसचय यकि धारना ते नाई खाति हइ। अउर
जउनु कछु विसवासु ते नाई वहु पाप हइ।

15 निदानु हम बलवानन क चाही, कि हम
निरबलन केर निरबलता क सही न कि
अपन आप क परसन करी। 2हम मा ते हर एकु
अपन पड़ोसी क उइ की भलाई के खातिर सुधारइ के
निमित्त परसन्न करे। 3काहे ते मसीह आपन आप को
परसन्न नाहीं किहिन। पर जइसन लिख हय, कि
तोहरे निन्दनकन केर निन्दा हम पै आइ परी। 4जेतनी
बातन पहिलेइ ते लिखी गइ हय, उइ (सब) हमारिइ
सिच्छा के खातिर लिखी गई हइ कि हम धीरजु अउर
पवित्तर सास्त्र की सान्ती के जरिए आस राखी।
5अउर धीरजु व सान्ती क दाता परमेसुर तुहिका ऊ
वरदानु देहैं कि यीसु मसीह के मुताबिक आपसु मा
एक मन रहउ। 6ताकि तुम एक मन अउर एकु मुंह
होई के, हमार परभु यीसु मसीह के बाप परमेसुर कि
बड़ाई करउ।
7एही खातिर जइसइ मसीहउ परमेसुर करि महिमा
कै खातिर तुइका स्वीकारु किहिन हइ। वइसन तुहौ
एक दुसरे क गरहन करउ। 8हम कहित हइ जउन
परतिग्या बाप दादन क दीन गई रहे उनहुक दिरिढ़
करइ के खातिर मसीह परमेसुर केर सच्चाई क
परमानु देवइ क खातिर खतना किए हुए लोगन क
सेवकु बनाउ। 9अउर दूसर धरम मानइ वालेन दया के
कारन परमेसुर कि बड़ाई करइ जइसन लिख हइ कि
यहिते हम धरम–धरमु में तोहार धन्यवादु करिबै अउर
तोहारे नाम क भजन गाइबैं। 10फिर कहउ हइ ऐ धरमु
के सबै लोगन उइ की पूजा के साथ आनन्द करउ।
11अउर फिर एक जाति–जाति केर सब लोग परभु
की स्तुति करउ। अउर ऐ राज–राज कै सबै लोगउ
सबै उइका सराहउ। 12अउर फिर यसायाह कहित हय
कि एक जड़ परगट होई। अउर दूसर धनिन क
हाकिम होवइ के खातिर एकु जन उठि हइं, उइ पर
दूसर धरम मानेव वालेन आस रखिहइं।

[13]यहिते परमेसुर जउन आस क दाता हइ तोहिका विसवासु करइ मां सबै परकार के अनन्द अउर सान्ती ते भरा पूरा परिपूरन करइ कि पवित्तर आतमा की सामरथ ते तोहार आसा बढ़ति जाय।

अन्य जातिन म परेरितन

[14]ऐ हमार भइयउ, हम आपइ तोहरे बारे मां निहिचय जानित हय कि तुहौ आपहि भलाई ते भरपूर होउ अउर ईस्वरीय ग्यान ते परिपूरन होइकै अउर एकु दुसरे क चिताइ सकति हउ। [15]हम कहूँ—कहूँ याद दिलावइ के खातिर तबइं जउन बहुत हियस करि कइ लिखिस यहु उइ किरा क कारन भवा जउन परमेसुर मोहिका दिहिस हइ। [16]कि हम दूसर धरम वालेन क खातिर मसीह यीसु क सेवकु होइ के परमेसुर क सु समाचारु कि सेवा के पुरोहित (याजक) कि नाई करी। जेहिते दूसर धरम वालेन क मानउ चढ़ायइ जाव पवित्तर आतमा ते पवित्तर कइ गिरहन किना जावइ।

[17]उइ बातन के बारे मां जउन परमेसुर ते सम्बन्ध राखति हइ। हम यीसु मसीह मां बड़ाई करि सकति हइ। [18]काहे ते उइ बातन का छांड़ि कै हमका अउर कउनउ बातन क बारे मां कइह क हियाबु नाई, जउन दुसर धरम वोलन कि अधीनता के खातिर वचनु अउर करम। [19]अउर चिन्हन अउर अद्‌भुत कामन कि सामरथ ते अउर पवित्तर आतमा कि सामरथ ते हमरेइ जरिये, इहां तक कि हम यरुसलेम ते लइ कइ चारिउ ओर इल्लुरिकुम तलक मसीह क सुभ सनेस क पूरा—पूरा परचारु कएिन। [20]हमार मन कि उमंग ई हइ कि जहां—जहां मसीह कर नाइ नाई लीन गवा, उहइं सुभ सनेस सुनाई। अइसन होय कि दूसरे कि नींव पर घरु बनाई। [21]पर जइस लिखउ हय, वइसइ होय, कि जिन्हका वहिका सुभ समाचार नाहीं पहुँचा उइ देखिहइं, अउर जउन नाई सुनिन उइ समझिहइं। [22]यहिते हम तोहरे पास आवइ ते बार—बार रुकेइ रहेइ।

पौलुस केर रोम जातरा

[23]पर हमका इन देसन मा अउर जगह नाई रही। अउर बहुत बरसन ते हमार तोहरे पास आवै कि लालसा हइ। [24]इहिते जवै इसपोनिया क जाइब तउ तोहार पासइ आइ जइहउं काहे ते मोहिका आस हइ कि उइ तुइ से भेंट करउ, जबै हम तोहरी संगति ते हमार जउन मन कछु भरि जाय तउ तुम हमका कछु दूरी आगे पहुंचाइ दिहेउ। [25]पर अबही तउ पवित्तर लोगन कि सेवा करइ क खातिर यरुसलेम क जाइति हइ। [26]काहे के मकिदुनिया अउर आखयाा के लोगन क यहु अच्छउ लागि कै यरुसलेम कै पवित्तर लोगन क कंगालन के खातिर कछु चन्दा करिन।

[27]उनका अच्छा तउ लागै पर उइ उइके करजदारउ हम हइ। काहे ते अगर दूसर धरम वालेन उइकी आतमिक बातन म भागीदार भये तउ उनहुक उचित हइ कि सांसारिक बातन मां उइकी सेवा करीं। [28]तउनु हम ई कामु पूरा करि कइ उइ का इउ चन्दा सौंपि कइ तोहार पास होत भये इसपानियां क देस जाइब। [29]अउर हम जानित हइ कि जबै हम तोहार पास मां आइबइ तउ मसीह की पूरी आसीस के साथ आइबै।

[30]अउर हे भइयउ हम यीसु मसीह क जउन हमार परभु हइ अउर पवित्तर आतमा क पिरेम क समरन दिलाइ कइ तुइ ते अनुरोधु करति हइं कि हमरे खातिर परमेसुर ते विनती करइ म हमार साथइ मिलि कइ लवलीन रहउ। [31]कि हम यहूदियन के अविसवासिन ते बचइ रही। अउर हमार उइ सेवा जउन यरुसलेम के खातिर हइ पवित्तर लोगन क भवइ। [32]अउर हम परमेसुर कि इच्छा ते तोहरे पास अनन्द के साथ आइके विराम पाई। [33]सान्ती क परमेसुर तुइ सबन के साथ रहइ। आमीन।

धन्यवादु

16 हम तोहिते फीबै के खातिर जउन, हमार बहिन अउर किंखिया की कलीसिया कि सेविका हय, बिनती करति हउ कि तुइ जइस कि पवित्तर लोगन क चाही उइका क परभु गरहन करउ। [2]अउर जउन मउनउ बातन मं उइ तुइते मतलब होई उइकी मदति करउ काहि ते वहउ बहुतेन कि बलकी हमारिउ भी उपकारिन हुइ हइ। [3]प्रिसिका अउर अक्विला जउन यीसु मं हमरे सहकरमी हइ, नमस्कारु। [4]उइ हमार परानन के खातिर अपनइ सिर कइ राखिस हइ। अउर केवल हमई नाई बल्कि दुसरी जातिन के सारी कलीसिया उइ का धन्यवाद करति हइं। [5]अउर उइ कलीसियउ क नकस्कारु जउन उइ के घरु मा हंय। हमार पियार इपेनितुस क जउन मसीह क खातिर आसिया केर पवित्तर फल हइ, नमस्कारु। [6]मरियम के जेहि तोहरे खातिर बहुत परिसरम कीन, नमस्कारु। [7]अन्दुरुनी कुस अउर यूनियास क जउन हमार कुटुम्बी हय, अउर हमरे साथ कैद भये रहइ। अउर परेरितन म नामी हइं, अउर हम ते पहिले मसीह म भए रहउ। नमस्कारु। [8]अम्पतियातुस तुमकौ जउन परभु मं हमार

पियार हय, नमस्कारु। [9]उखानुस क जउन मसीह म हमार सह करमी हय, अउर हमार पियार इस्तुखुस क नमस्कारु। [10]अपिल्लेस क जउन मसीह म खरा निकरा, नमस्कारु अरिस्तुबुलुस क घराने क नमस्कारु। [11]हमर कुटुम्बी हेरोदियोन का नमस्कारु। नकिस्तुस क घराने क जउन लोग परभु मां हय, उनहनु क नमस्कारु। [12]त्रैफूना अउर त्रिफोसा क जउन परभु म परिसरम करति हय। नमस्कारु। पियारि परमिस क जेहि क परभु मं बहुत परिसरम किहिस नमस्कारु। [13]रुफुस जउन परभु क चुना भवा हय, अउर वहिकी माहतारी जउन, हमरउ मां हइ दूनउ का नमस्कारु। [14]असुक्रितुस अउर फिलमौन अउर हिमेस अउर पत्रुवस अउर हिमास अउर उइ के साथे क भाइन क नमस्कारु। [15]फिलिलुगुस, अउर यूलिया, अउर नेयुस अउर उइ की बहिन अउर उलुभ्यास अउर उइ क साथ के सबै पवित्तर लोगन क नमस्कारु। [16]आपसइ म रहा पवित्तररु चुम्बनु ते नमस्कार करउ, तुइका मसीह की सरी कलीसियन कि ओर ते नमस्कार। [17]अब इ भाइयउ, हम तुइ ते विनती करति हय कि जउन लोगउ ई सिच्छा क विपरीत जउन तुइ पाइसि हइ। फूट पड़ेइ अउर ठोकरु खाइ क कारन होत हइं उइका तांड़ि लीन करेउ, अउर उइते दूरि उहउ। [18]काहे ते अइसे लोग हमार परभु यीसु मसीह क नाहीं पर अपन पेट कि सेवा करति हइं। अउर चिकनी चुपड़ी बातन ते सीधे सादे लोगन के बहकाइ देति हइं। [19]तोहार आग्या मानइ कि परचार सब लोगन मां फैलि गई हय। यहिते लीन्हें हम तोहारे बारे मां आनन्द करति हउं। पर हम यहु चाहति हय कि तुइ भलाई के खातिर बुद्धिमानु पर, बुराई के खातिर भोले बने रहउ।

[20]सान्ती परमेसुर सैतान क तोहरे पैरन ते जल्दी कुचलवाइ देई। हमार परभु यीसु मसीह क किरपा तुइ पै रहइ।

[21]तीमुथियुस हमार सहकरमी अउर लुकियुस अउर यासीन अउर सोसिपत्रुस का तोहका हमार कुटुम्बिन कै तुइका नमस्कारु।

[22]हम पतरी लिखइ वाले तिरतियुस का परभु मां तुम का नमस्कारु।

[23]गयुस क जउन हमार अउर कलीसिया क पहुनाई करइ वालन हइ, उइका तोहिका नमस्कारु। [24]इसस्तुस जउनु नगर क भन्डारी हय अउर भाई कवारतुस क तुइका नमस्कारु।

[25]अब जउन तोहिका हमार सुभ समाचार यानी यीसु मसीह के बारे मा परचारु क मुताबिक स्थिर करि सकत हय, उइ भेद कै करकास के मुताबिक जउन सनातन ते छिपइ रहा है। [26]पर अब परगट होइके सनातन परमेसुर की आग्या ते नबियन की किताबन के जरिए सब जातिन क बतावइ गवा हइ कि उइ विसवासु ते आग्या मानइ वालेन होय जाय।

[27]उही अद्वैत बुद्धिमान परमेसुर के यीसु मसीह कै जरिए जुगन–जुगन तक महिमा होति रहइ। आमीन।